K–50

1448

EHD–1

Total No. of Questions : 9] [Total No. of Printed Pages : 3

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2014

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

EHD–1 : हिन्दी गद्य

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 100**

नोट :— कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **पहला** प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की प्रसंग-सहित व्याख्या कीजिए : 12x3=36

(क) इस सारी बस्ती में चौधरी ही पढ़े-लिखे सफ़ेदपोश थे। सिर्फ़ उनके ही घर की ड्योढ़ी पर परदा था। सब लोग उन्हें 'चौधरी जी, मुंशी जी' कहकर सलाम करते। उनके घर की औरतों को कभी किसी ने गली में नहीं देखा। लड़कियाँ चार-पाँच वर्ष तक किसी काम-काज से निकलतीं और फिर घर की आबरू के ख़याल से उनका बाहर निकलना मुनासिब न था।

(ख) प्रेम पीड़ित हृदय इस दशा में क्या इतना शांत और अविचलित रह सकता है ? नहीं, कभी नहीं। हृदय की चोट भाव-कौशल से नहीं छिपाई जा सकती। अपने चित्त की दुर्बलता पर इस समय उन्हें अत्यन्त क्षोभ हुआ। उन्होंने अकारण ही संदेह को हृदय में स्थान देकर इतना अनर्थ किया।

(ग) संतान का पालन माँ-बाप का नैतिक कर्त्तव्य है। वे किसी पर कोई अहसान नहीं करते, केवल राष्ट्र का ऋण चुकाते हैं। वे ऋणमुक्त हों, यही उनका परितोष है। इससे अधिक मोह है, इसीलिए पाप है। पर मैं क्या करूँ ? मैं

जो इससे अधिक है उसी को पाने को आतुर हूँ। मैं ही क्यों, सभी माता-पिता यही चाहते हैं।

(घ) कुछ नहीं, मैं केवल यही कहना चाहती हूँ कि पुरुषों ने स्त्रियों को अपनी पशु-संपत्ति समझकर उन पर अत्याचार करने का अभ्यास बना लिया है वह मेरे साथ नहीं चल सकता। यदि तुम मेरी रक्षा नहीं कर सकते, अपने कुल की मर्यादा, नारी का गौरव, नहीं बचा सकते, तो मुझे बेच भी नहीं सकते हो।

(ङ) यह कोई बात नहीं है कि एक ही स्वभाव और रुचि के लोगों ही में मित्रता हो सकती है। समाज में विभिन्नता देखकर लोग एक-दूसरे की ओर आकर्षित होते हैं। जो गुण हममें नहीं हैं, हम चाहते हैं कि कोई ऐसा मित्र मिले जिसमें वह गुण हो। चिंताशील मनुष्य प्रफुल्लचित्त मनुष्य का साथ ढूँढ़ता है, निर्बल बली का, धीर उत्साही का। उच्च आकांक्षा वाला चंद्रगुप्त युक्ति और उपाय के लिए चाणक्य का मुँह ताकता था।

2. 'आकाश दीप' कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए। 16

3. 'निर्मला' उपन्यास के प्रतिपाद्य और शीर्षक की उपयुक्तता पर विचार कीजिए। 16

4. 'जोंक' एकांकी का मूल्यांकन कीजिए। 16

5. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में नारी-जागरण की चेतना पर प्रकाश डालिए। 16

6. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं ?' निबंध के आधार पर द्विवेदी जी के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 16

7. प्रसादोत्तर हिन्दी नाटक के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 16

8. भारतेन्दु-पूर्व हिन्दी गद्य के विकास पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। 16

9. किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 8×2=16

(क) एकांकी और रेडियो नाटक

(ख) निबंध का रचनागत वैशिष्ट्य

(ग) प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास

(घ) आत्मकथा और जीवनी।